मनीषा कोईराला बोली- नेपाल के लिए काला दिन

भ्रष्टाचार व सेंसरशिप के खिलाफ उठी जनक्रांति

काठमांडू/नई दिल्ली 9 सितंबर. 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन, नेपाल में जनसैलाबनेपाल इन दिनों एक अभूतपूर्व संकट से गुजर रहा है, जहां लोकतंत्र की आवाज दबाने की कोशिश में खून बहाया जा रहा है.

सोमवार को काठमांडू समेत कई शहरों में प्रदर्शन कर रहे हजारों युवाओं पर पुलिस ने गोली चला दी. सोशल मीडिया पर बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ सड़कों पर उतरे प्रदर्शनकारियों में ज्यादातर युवा और छात्र शामिल थे. इस हिंसा में अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है और 250 से अधिक घायल हुए हैं. प्रदर्शन तब और उग्र हो गया जब भीड़ संसद भवन के गेट तक पहुंच गई और वहां आगजनी की घटनाएं हुईं. जवाब में पुलिस ने पहले वाटर कैनन और आंसू गैस का इस्तेमाल किया और फिर असली गोलियों से फायरिंग की. इस घटनाक्रम ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया. खासकर तब जब बॉलीवुड अभिनेत्री और नेपाली मूल की मनीषा कोईराला ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं.

आंदोलन का हीरो काठमांडू का मेयर बालेन शाह

बालेन शाह के युवा क्रांति का नया चेहरा बनकर उभरे है. नेपाल की राजनीति में इन दिनों उबाल है. युवा सड़क पर हैं, सरकार से जवाब मांग रहे हैं, और इस उबाल की अगुवाई कर रहे हैं काठमांडू के चर्चित मेयर बालेन शाह. एक रैपर से नेता बने बालेन आज जेन जेड आंदोलन के सबसे ताकतवर चेहरे बनकर उभरे हैं. बालेन शाह, जो कभी सिविल इंजीनियर और रैपर थे. अब नेपाल की युवा राजनीति का सबसे बड़ा चेहरा बन चुके हैं. जब 2022 में वे काठमांडू के मेयर बने, तो कुछ लोगों ने उन्हें हल्के में लिया. लेकिन आज वही बालेन सरकार से सत्ता सौंपने की मांग करने वाले युवाओं की आवाज बन गए हैं. आंदोलन की शुरुआत सोशल मीडिया पर सेंसरशिप और राजनेताओं की जीवनशैली के खिलाफ विरोध से हुई। लेकिन सरकार की हिंसक प्रतिक्रिया में 19 लोगों की मौत ने माहौल और बिगाड़ दिया. इस बीच बालेन शाह ने पीड़ित परिवारों से मिलकर आंदोलन को नई दिशा दी.

प्रदर्शनकारियों ने पूर्व मंत्री रबि लामिछाने को जेल से छुड़ाया

नेपाल में जारी प्रदर्शनों ने सोमवार को हिंसक मोड़ ले लिया. हजारों प्रदर्शनकारियों ने राजधानी काठमांडू समेत कई शहरों में पुलिस बैरिकेड्स तोड़कर सरकारी इमारतों पर कब्जा करने की कोशिश की. इसी बीच प्रदर्शनकारियों ने चर्चित नेता और पूर्व मंत्री रबि लामिछाने को जेल से छुड़ा लिया, जिससे देश की राजनीतिक स्थिति और भी अस्थिर हो गई है.सूत्रों के मुताबिक, सरकार का सत्ता पर पकड़ कमजोर होती जा रही है.

क्या इस्लामाबाद में भी काठमांडू जैसी लपटें उठेंगी

इस्लामाबाद, 9 सितंबर. नेपाल में सोशल मीडिया बैन और भ्रष्टाचार के खिलाफ भड़के युवा आंदोलन ने न सिर्फ केपी शर्मा ओली की सत्ता हिला दी, बल्कि अब इसकी गूंज पाकिस्तान तक पहुंच रही है. आसिम मुनीर और शाहबाज शरीफ के लिए यह एक चेतावनी है कि जनता का गुस्सा जब उबलता है, तो तख्त पलटने में देर नहीं लगती. नेपाल की सड़कों से उठी जन क्रांति अब सिर्फ काठमांडू की दीवारों तक सीमित नहीं रही. वहां की जनरेशन की सोशल मीडिया क्रांति, जो पहले फेसबुक और यूट्यूब बैन के खिलाफ थी, अब दक्षिण एशिया के अन्य देशों की सत्ता के लिए भी चुनौती बनती दिख रही है.

फ्रांस : इस्तीफे की मांग के बीच मैक्रों को चुनना होगा नया पीएम

नई दिल्ली, 09 सितंबर (वार्ता) फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को फ्रांस्वा बायरू की सरकार के पतन से एक नयी राजनीतिक मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है. राष्ट्रीय सभा में विश्वास मत में प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू की हार के साथ ही देश एक नये राजनीतिक संकट में फंस गया है.

बायरू को सभा में 364 मतों से 194 मतों से मिली हार का सीधा मतलब है कि मैक्रों के सिर पर उनका उत्तराधिकारी चुनने का बोझ एक बार फिर से आ गया है. पहले से यूक्रेन युद्ध सहित अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई तरह के संकटों का सामना कर रहे मैक्रों को अब यह तय करना होगा कि देश का नया प्रधानमंत्री अब कौन होगा. मैक्रो हालांकि ऐसे किसी संकट से अनजान नहीं है. फ्रांस को दो साल से कम समय में पांचवां प्रधानमंत्री चुनना पड़ रहा है. थोड़ा और पीछे जायें, तो पता चलता है कि साल 2017 में श्री मैक्रों के पहले कार्यकाल के बाद से, उनके कार्यकाल में छह प्रधानमंत्री रहे हैं. ये एडौर्ड फिलिप, गेब्रियल अट्टल, मिशेल बार्नियर और सोमवार को विश्वास मत हारने वाले फरांस्वा बायरू हैं. गौरतलब है कि बायरू सरकार का पतन तब हुआ, जब उन्होंने कर्ज के मुद्दे पर केंद्रित एक आपातकालीन विश्वास मत बहस में अपनी सरकार को दांव पर लगा दिया. उनका कहना था कि अगर कठोर वित्तीय बजट पारित नहीं हुआ और फ्रांस अपनी 3.4 ट्रिलियन यूरो की देनदारी से निपटना शुरू नहीं करता तो वह मुश्किल में आ सकता है.

नेशनल असेंबली में बहुमत नहीं

नेशनल असेंबली में बहुमत न होने के कारण, वामपंथी और कट्टर दक्षिणपंथी नेताओं के मिलन से उनका जाना तय हो गया. शायद राष्ट्रपति मैक्रों को इसका भान हो गया था और नये प्रधानमंत्री के नाम सामने आने भी लगे थे. अब इस दौड़ में रक्षा मंत्री सेबेस्टियन लेकोर्नू, श्रम मंत्री कैथरीन वौट्रिन और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड के नाम शामिल बताये जा रहे हैं. अब सवाल उठ रहा है कि मैक्रों का क्या होगा उन्हें बायरू का इस्तीफा स्वीकार करना होगा और नये प्रधानमंत्री की नियुक्ति करनी होगी. राजनीतिक संकट के बादल हालांकि घुमड़ने लगे हैं. विपक्षी दलों, खासकर वामपंथी पार्टी ला फ्रांस इनसूमिस ने मैक्रों के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की घोषणा की है. पार्टी ने कहा है कि राष्ट्रपति की जून 2024 में संसद भंग करने की विवादास्पद कार्रवाई के कारण यह कदम उठाया जायेगा.

शिल्पा शेट्टी और राज 15 को ईओडब्ल्यू के सामने होंगे पेश

मुंबई 09 सितंबर (वार्ता). बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति राज कुंद्रा 15 सितंबर को 60.48 करोड़ रुपए के धोखाधड़ी मामले में मुंबई पुलिस के आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के सामने पेश होंगे.

ईओडब्ल्यू के अधिकारियों ने यूनीवार्ता को बताया कि दंपत्ति को पहले 10 सितंबर को पेशी के लिए बुलाया गया था, लेकिन दंपत्ति ने कुछ दिन का समय मांगा था, जो उन्हें दे दी गई थी. अब दंपत्ति ने अधिकारियों को आश्वासन दिया है कि वह 15 सितंबर को पेश होंगे. उल्लेखनीय है कि पहले ही दंपत्ति पर उनकी कंपनी बेस्ट डील टीवी प्राइवेट लिमिटेड के मामले में वित्तीय धोखाधड़ी की जांच चल रही है. उनकी कंपनी अब बंद हो चुकी है. अधिकारियों ने बताया कि पहले ही दंपत्ति के खिलाफ एक लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी किया जा चुका है और उनकी यात्रायों पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है.

सैनिकों ने उत्तरी क्षेत्र में संदिग्ध आतंकवादियों को किया ढेर

अबुजा, 09 सितंबर. नाइजीरिया के उत्तरी राज्य कात्सिना में सैनिकों के साथ हुई मुठभेड़ में कम से कम 23 संदिग्ध आतंकवादी मारे गए. स्थानीय मीडिया ने सोमवार को सेना मुख्यालय के एक सूत्र के हवाले से यह जानकारी दी. नाइजीरिया की सरकारी समाचार एजेंसी के अनुसार सैनिकों ने शनिवार को कात्सिना के कंकारा स्थानीय सरकारी क्षेत्र के पाउवा गाँव में संदिग्ध आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ के दौरान महिलाओं और बच्चों सहित 26 अपहृत पीड़ितों को भी बचाया. इस दौरान बरामद मोटरसाइकिलें, ऑटो स्पेयर पार्ट्स, कृषि मशीनरी और खाद्य सामग्री नष्ट कर दी गई.

देश नहीं भूलेगा बलिदान : केजरीवाल

शहीद जवानों के लिए देश एकजुट

राजनीति से ऊपर उठकर दिखाया मानवीय रूप

नई दिल्ली, 9 सितंबर. दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में आतंकवादियों से मुठभेड़ में शहीद हुए भारतीय सेना के दो वीर जवानों सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु को एक्स (पूर्व ट्विटर) पर भावभीनी श्रद्धांजलि दी.

उन्होंने अपने संदेश में लिखा, कुलगाम में देश की रक्षा करते हुए शहीद हुए सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु को विनम्र श्रद्धांजलि. उनकी शहादत और पराक्रम को सदैव याद रखा जाएगा. इस मुश्किल वक्त में पूरा देश शहीदों के परिजनों के साथ मजबूती से खड़ा है. केजरीवाल के इस ट्वीट ने सोशल मीडिया पर भावनात्मक लहर दौड़ा दी है. कई नेताओं और आम नागरिकों ने भी वीर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवारों के प्रति सहानुभूति जताई. यह बयान केवल एक राजनेता की प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक देशभक्त नागरिक की संवेदना का प्रतीक है.

केजरीवाल ने कहा जब मातृभूमि की रक्षा में कोई जवान अपने प्राण न्यौछावर करता है, तो न केवल उनका परिवार बल्कि पूरा देश शोक में डूब जाता है. ऐसा ही एक भावुक क्षण आया जब जम्मू-कश्मीर के कुलगाम में हुई मुठभेड़ में सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु शहीद हो गए. इस वीरगति को दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल से नमन किया.

शिक्षा का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान अर्जन नहीं : आनंदीबेन

लखनऊ 09 सितंबर (वार्ता) उत्तर प्रदेश की राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने टॉपर छात्रों से कहा है कि उपाधि के साथ एक नए दायित्व का भी संचार होता है और स्नातक केवल व्यक्तिगत सफलता का प्रतीक नहीं, बल्कि समाज और देश के लिए आशा का संदेशवाहक होता है.

उन्होंने कहा कि शिक्षा और विज्ञान का उद्देश्य केवल ज्ञान अर्जन नहीं, बल्कि मानवता की सेवा, नवाचार और राष्ट्र के उत्थान में होना चाहिए. डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 23वें दीक्षांत समारोह को सम्बोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि आज उपाधियाँ वितरित की गई हैं, जिनमें 70 प्रतिशत छात्र और 30 प्रतिशत छात्राएं हैं। लंबे समय के बाद छात्रों की संख्या छात्राओं से अधिक होना यह इंगित करता है कि तकनीकी क्षेत्र में छात्राओं की भागीदारी अपेक्षाकृत कम है. छात्राओं से विशेष रूप से अपील की कि वे भी विज्ञान और तकनीक के क्षेत्र में आगे आएं और प्रतिभा से देश का नाम रोशन करें. राज्यपाल ने गगनयात्री शुभांशु शुक्ला को डॉक्टर ऑफ साइंस की मानद उपाधि देकर उन्हें राष्ट्रगौरव और विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा बताया.

राज्यपाल ने कहा कि दीक्षांत समारोह किसी भी विश्वविद्यालय का केवल औपचारिक आयोजन नहीं होता, बल्कि यह संस्था की शैक्षणिक यात्रा का उज्ज्वल पड़ाव होता है। यह दिन विश्वविद्यालय के लिए गौरव का और छात्र-छात्राओं के जीवन का अविस्मरणीय क्षण है. उन्होंने कहा कि शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि जिम्मेदारी का दीपक है जो प्रत्येक विद्यार्थी के जीवन को आलोकित कर राष्ट्र को रोशन करता है. यह अवसर विद्यार्थियों के लिए आत्ममंथन और संकल्प का है कि वे अपने अर्जित ज्ञान का उपयोग राष्ट्रहित में करें और भारत की गरिमा को वैश्विक पटल पर और प्रखर बनाएं. कहा कि उनका जीवन दृढ़ संकल्प और ऊंची सोच से लक्ष्य प्राप्त करने का उदाहरण है. शुभांशु शुक्ला की उपलब्धियाँ प्रत्येक भारतीय को गर्वित करती हैं.

उत्तराधिकार की लड़ाई में मर्डोक परिवार के बीच समझौता

न्यूयॉर्क, 09 सितंबर. अमेरिका के न्यूयॉर्क में रूपर्ट मर्डोक के रूढ़िवादी मीडिया साम्राज्य में वर्षों से चल रही उत्तराधिकार की लड़ाई अब समाप्त हो गई है और उनके बेटे लैकलन अब समाचार समूह का नियंत्रण संभालेंगे. रिपोर्ट के अनुसार सोमवार को परिवार द्वारा घोषित इस समझौते से रूपर्ट के निधन के बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूढ़िवादियों के सबसे लोकप्रिय नेटवर्क, फॉक्स न्यूज की दिशा में कोई बदलाव नहीं होगा. इसके तहत एक ट्रस्ट का गठन किया गया है जो रूपर्ट के चुने हुए उत्तराधिकारी लैकलन मर्डोक के लिए फॉक्स कॉर्पोरेशन पर नियंत्रण स्थापित करेगा.

पानी घटने के बाद घरों को लौटने लगे नागरिक

होशियारपुर 09 सितंबर. पंजाब के होशियारपुर जिले में ब्यास नदी के किनारे स्थित कई गांवों में बाढ़ के कारण विस्थापित हुए परिवार पानी कम होने के बाद अपने घर लौटने लगे हैं, लेकिन अब उनके सामने क्षतिग्रस्त घरों की मरम्मत व आजीविका बचाने की चुनौती है.

रारा गांव निवासी मंजीत सिंह (54) ने मंगलवार को बताया कि उनके घर जलमग्न होने के बाद से उनका परिवार और अन्य लोग दो सप्ताह से ज़्यादा समय से टांडा-श्री हरगोबिंदपुर मार्ग पर रारा पुल के पास ट्रैक्टर-ट्रॉलियों पर तिरपाल की चादरों के नीचे डेरा डाले हुये हैं. उन्होंने कहा, अब जब पानी कम हो गया है, तो लगभग सभी परिवार वापस लौट आये हैं, लेकिन हमारे घर कीचड़ से भर गये हैं, दीवारें टूट गयी हैं और फसलें बर्बाद हो गयी हैं. असली परीक्षा अब शुरू होती है, फिर से कैसे ज़िंदा रहें, उन्होंने कहा कि वे सरकारी मदद की उम्मीद कर रहे हैं. कोलियन गांव की सरपंच के पति डेविड मसीह ने कहा, गांव से पानी तो उतर गया है, लेकिन सारी फसलें बर्बाद हो गयी हैं. किसान और ग़रीब परिवार सरकारी राहत का इंतज़ार कर रहे हैं. उपायुक्त आशिका जैन ने बताया कि पौंग बांध से पानी कम होने से निचले इलाकों में जलस्तर कम हो गया है. टांडा उपमंडल में कुछ खेतों में अभी भी पानी जमा है, जबकि मुकेरियां उपमंडल में यह काफी हद तक कम हो गया है.

सीरिया के शहरों पर हवाई हमले

दमिश्क. इजरायल के लड़ाकू विमानों ने सोमवार देर रात सीरिया के कई स्थानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किये. रिपोर्ट में कहा गया कि निशाने वाले क्षेत्रों में मध्य सीरिया में होम्स के बाहरी इलाके, तटीय शहर लताकिया और रेगिस्तानी शहर पल्मायरा शामिल हैं. देर रात शहरों में तेज धमाके सुनाई दिये, हालांकि हताहतों या क्षति के बारे में तत्काल कोई जानकारी अभी सामने नहीं आयी है. सीरिया के विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर का घोर उल्लंघन बताते हुए इस हमले की कड़ी निंदा की और कहा कि यह हमला सीरिया की संप्रभुता और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सीधा खतरा है.

एक नजर में

इजरायल : शहर खाली करने का आदेश दिया

यरुशलम, 09 सितंबर (वार्ता). इजरायली सेना ने मंगलवार को गाजा शहर में एक बड़े हमले से पहले शहर खाली करने का आदेश दिया और यह चेतावनी भी दी कि जो लोग बचे हैं उन्हें गंभीर खतरा है। इजरायली सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर लिखा, सेना इस क्षेत्र में पूरी ताकत से कार्रवाई करेगी. लगभग 10 लाख निवासियों से दक्षिण में अल-मवासी की ओर जाने का आग्रह किया गया है जिसे इजरायल ने मानवीय क्षेत्र घोषित किया है. अद्राई ने कहा, शहर में रहना बेहद खतरनाक है. इजरायल ने यह आदेश हमास द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से पेश किए गये नये गाजा युद्धविराम प्रस्ताव के बाद बातचीत शुरू करने के लिए तैयार होने की घोषणा के एक दिन बाद दिया है. इजरायल के रक्षा मंत्री इजरायल काट्ज ने कहा कि इजरायली बलों ने हाल के दिनों में 10 से अधिक बहुमंजिला इमारतों को नष्ट कर दिया है .हमास पर आरोप है कि उसने इजरायली सैनिकों की निगरानी के लिए इनमें निगरानी कैमरे लगवाये थे. गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक पिछले दिनों इजराइली हमलों में 67 लोग मारे गए और 320 घायल हुये हैं.

यरुशलम में आतंकवादी हमला, छह की मौत

यरुशलम 08 सितंबर (वार्ता). यरुशलम के रामोट जंक्शन पर सोमवार की सुबह आतंकवादी हमले में कम से कम छह लोगों की मौत हो गयी और 21अन्य घायल हो गए जिसके बाद इजराइल ने पश्चिमी तट में बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान शुरू कर दिया है. पुलिस सूत्रों के अनुसार दो बंदूकधारी रामोट जंक्शन पहुंचे और बस स्टॉप पर इंतजार कर रहे लोगों पर गोलीबारी शुरू कर दी. एक सशस्त्र नागरिक और सुरक्षा अधिकारी ने जवाबी कार्रवाई में गोलियां चलायी जिसमें दोनों हमलावर घटनास्थल पर ही मारे गए. यरुशलम पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार आपातकालीन सेवा ने घायलों को पास के अस्पतालों में पहुंचाया, जहां कई की हालत गंभीर बनी हुई है. इजराइली रक्षा बलों ने चार कंपनियों को इलाके में भेजा और रामल्लाह के पास कई गांवों को घेर लिया. सेना ने पुष्टि की है कि उसने आगे के हमलों को रोकने के लिए मेनाशे ब्रिगेड के नेतृत्व में एक ब्रिगेड-स्तरीय अभियान शुरू किया है. अतिरिक्त संदिग्धों की तलाश के लिए अभियान जारी रहने के कारण यरुशलम और पश्चिमी तट में सुरक्षा बल हाई अलर्ट पर हैं. प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों के साथ स्थिति का आकलन करने के बाद घटनास्थल पर पहुंचे. उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के खिलाफ युद्ध लड़ रहे हैं. गाजा, यहूदिया और सामरिया में और दुर्भाग्य से यहां यरुशलम में भी युद्ध जारी है. इजरायली रक्षा मंत्री काट्ज ने हमले को जघन्य कृत्य बताया और जवाबी कार्रवाई की प्रतिबद्धता जतायी. उन्होंने कहा, आज के आतंकवादी हमले के गंभीर और दूरगामी परिणाम होंगे.

धूमधाम से मनाया श्रीगणपति महोत्सव

नईदिल्ली, 9 सितंबर. जगराम मंदिर गली कोटला मुबारकपुर स्थित श्रीराम मंदिर में 11वां श्रीगणपति महोत्सव 27 अगस्त से 6 सितंबर तक बड़ी धूमधाम से मनाया गया.

इस दौरान प्रतिदिन गणपति महाराज जी की आरती व कीर्तन का आयोजन किया गया 6 सितंबर अनंत चतुर्दशी के अवसर पर आरती के साथ गणपति महाराज जी का विसर्जन नेहरू प्लेस स्थित आस्था कुंज में बनाए गए. कृत्रिम तालाब में किया गया. स्थानीय समाज सेवक व चौधरी सोहनलाल संतोष चैरिटेबल ट्रस्ट के चैयरमेन संजय कुमार ने बताया कि 9 दिन चले इस गणपति महोत्सव में स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया व प्रतिदिन आरती व कीर्तन का आनंद उठाया. कार्यक्रम का आयोजन पंडित केशव शर्मा द्वारा किया गया कार्यक्रम में पंडित रामानंद, शर्मा ,चौधरी ब्रह्मपाल व पंडित सतीश त्रिपाठी सहित क्षेत्र के सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे.

आज का इतिहास

1823 - साइमन बोलिवर पेरु के राष्ट्रपति बने.

1846 - एलियस होवे ने सिलाई मशीन का पेटेंट कराया.

1847 - हवाई द्वीप में पहला थियेटर खुला .

1914 - फ्रांस एवं जर्मनी के बीच मार्ने का युद्ध समाप्त.

1939 - कनाडा ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के खिलाफ युद्ध की घोषणा की.

1966 - संसद ने पंजाब एवं हरियाणा के गठन को मंजूरी दी.

1974 - अफ्रीकी देश गिनी ने पुर्तगाल से स्वतंत्रता हासिल की .

1976 - इंडियन एयरलाइंस के बोइंग 737 विमान का लाहौर से अपहरण हुआ था.

तीखी बहस : भोज में भिड़े ट्रंप के मंत्री और अफसर, दी धमकी

वॉशिंगटन, 9 सितम्बर. वॉशिंगटन डीसी के पॉश क्लब एक्जीक्यूटिव ब्रांच में आयोजित एक खास भोज में अमेरिकी राजनीति का शर्मनाक चेहरा सामने आया.

व्हाइट हाउस से जुड़े एक निजी भोज में उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अमेरिकी वित्त मंत्री और एक वरिष्ठ अधिकारी के बीच बहस इतनी बढ़ गई कि मामला हाथापाई तक पहुंच गया. इस आयोजन में अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेन्ट और फेडरल हाउसिंग फाइनान्स एजेंसी के डायरेक्टर बिल पुल्टे के बीच जमकर तू-तू मैं-मैं हुई. मामला इतना बढ़ा कि दोनों ने एक-दूसरे को मुंह तोड़ने की धमकी दे डाली. विवाद की शुरुआत तब हुई जब वित्त मंत्री को यह खबर लगी कि बिल पुल्टे राष्ट्रपति ट्रंप के सामने उनकी बुराई कर रहे हैं. बेसेन्ट ने तुरंत प्रतिक्रिया दी व पुल्टे को सरेआम धमका दिया बाहर निकल, तेरा मुंह तोड़ दूंगा. पुल्टे भी भड़क गए और उसी अंदाज में जवाब दिया. यह पूरा ड्रामा बिजनेस पॉडकास्टर चमथ पालिहपितिया के जन्मदिन और क्लब के उद्घाटन के मौके पर हुआ था.

26 प्रस्तावों को स्वीकृति | **आईआईएम बोधगया से ट्रेनिंग121 कर्मियों को दो साल की फेलोशिप**

नीतीश कैबिनेट ने दी सीएम फेलोशिप को मंजूरी

पटना, 9 सितम्बर. बिहार सरकार ने प्रशासनिक दक्षता और नीति निर्माण में सुधार के उद्देश्य से मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना को मंजूरी दे दी है.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में इस योजना समेत कुल 26 प्रस्तावों को स्वीकृति दी गई.बिहारमें लोक नीति के स्तर को ऊंचा उठाने की दिशा में एक बड़ी पहल की गई है.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में आयोजित कैबिनेट बैठक में बहुप्रतीक्षित मुख्यमंत्री फेलोशिप योजना को मंजूरी दे दी गई है.इस योजना के तहत चयनित कर्मियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण और मोटा मानदेय मिलेगा.इस योजना के अंतर्गत बिहार सरकार के विभिन्न विभागों में कार्यरत 121 सरकारी कर्मियों का चयन किया जाएगा, जिन्हें भारतीय प्रबंधन संस्थान बोधगया में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा.ट्रेनिंग पूरी होने के बाद प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा.मानदेय की रेंज इस योजना की एक और बड़ी खासियत है.चयनित कर्मियों को उनके अनुभव और जिम्मेदारियों के आधार पर 80,000 से लेकर 1.5 लाख रुपये प्रति माह तक का मानदेय मिलेगा. यह फेलोशिप दो वर्षों के लिए होगी और इसके तहत कर्मियों को नीति निर्माण और क्रियान्वयन के क्षेत्र में प्रत्यक्ष योगदान करने का अवसर मिलेगा. अब विशेषज्ञों और प्रशिक्षित कर्मियों की मदद से इन समस्याओं का समाधान निकाला जा सकेगा.इस योजना के लागू होने से जहां सरकार को कुशल मानव संसाधन मिलेगा. वहीं प्रतिभागियों को अपने कौशल को निखारने का अवसर भी प्राप्त होगा.यह योजना राज्य प्रशासन को आधुनिक सोच और प्रबंधन के नए आयामों से जोड़ने का प्रयास है.

फेलोशिप अंतर्गत कार्य स्थल भी तय कर दिए गए हैं.ये कर्मी सीएम कार्यालय, उपमुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव, विकास आयुक्त, प्रमंडलीय आयुक्त और नगर आयुक्त कार्यालय जैसे प्रमुख विभागों में कार्यरत रहेंगे.इससे नीतियों की जमीनी समझ और उनके बेहतर क्रियान्वयन में मदद मिलेगी. सरकार की योजना ऐसे समय में लाई है जब राज्य में विकास परियोजनाओं और नीतियों के क्रियान्वयन में पारदर्शिता, गुणवत्ता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं.

आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मानदेय में हुई बढ़ोतरी पर लगी मुहर

राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 25 एजेंडों को दी सहमति

पटना, 09 सितंबर (वार्ता). बिहार सरकार ने आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका के मासिक मानदेय में बढ़ोतरी कर दी है.मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक में 25 एजेंडों को सहमति दी गई.

मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग के अपर मुख्य सचिव अरविंद कुमार चौधरी ने यहां प्रेस वार्ता में बताया कि आंगनबाड़ी सेविका को अब सात हजार के स्थान पर नौ हजार रुपये तथा सहायिका को चार हजार से बढ़ाकर 4500 रुपये प्रति महीने दिए जाएंगे. इसके लिए राज्य योजना मद से प्रतिवर्ष 345 करोड़ 19 लाख 20 हजार रुपये अतिरिक्त व्यय की मंजूरी कैबिनेट से दी गई है.

अपर मुख्य सचिव ने कहा कि आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका को मानदेय की बढ़ी हुई राशि एक सितंबर के प्रभाव से ही मिलेगी.उन्होंने कहा किइ्समेकित बाल विकास योजना के क्रियान्वयन में सेविकाओं या सहायिकाओं की भूमिका मुख्य रूप से है.बढ़ती महंगाई एवं मुद्रास्फीति को ध्यान में रखते हुए इनके मानदेय में बढ़ोतरी की गई है, जिससे उनके जीवन में सुधार होगा साथ ही उनके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी.